भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. 41

सोमवार, 1 दिसंबर, 2025/10 अग्रहायण, 1947 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

उत्तर प्रदेश के बागपत में ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा

41. डॉ. राजकुमार सांगवान:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या पर्यटक भारतीय अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) देश में बागपत लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र सहित उत्तर प्रदेश में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए पिछले तीन वर्षों के दौरान व्यय की गई धनराशि का वर्ष-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या उत्तर प्रदेश में ग्रामीण पर्यटन की अपार संभावनाएँ हैं;

(घ) क्या सरकार ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में सुधार हेतु किसी योजना पर कार्य कर रही है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) चालू वर्ष सहित पिछले तीन वर्षों के दौरान उक्त उद्देश्य हेतु आवंटित धनराशि के उपयोग का ब्यौरा क्या है तथा उससे प्राप्त विभिन्न सकारात्मक परिणाम क्या हैं?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क): वर्ष 2020-21 से 2023-24 के लिए देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में पर्यटन क्षेत्र का योगदान निम्नानुसार है:

वर्ष	**सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में कुल हिस्सेदारी (प्रतिशत में)**
2020-21	1.50
2021-22	1.75
2022-23*	5.09
2023-24(अ)	5.22

*:संशोधित अनुमान

(अ):अनंतिम अनुमान

स्रोत: राष्ट्रीय लेखा सांख्यिकी (एनएएस) 2025 पर आधारित अनुमान

(ख): मंत्रालय आतिथ्य सहित घरेलू संवर्धन और प्रचार (डीपीपीएच) नामक अपनी योजनाओं के तहत पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए उत्तर प्रदेश सहित राज्य सरकारों और संघ राज्यक्षेत्रों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है। पिछले तीन वर्षों के दौरान उक्त योजना के तहत निधियों का आवंटन और वास्तविक व्यय निम्नानुसार है:

(राशि करोड़ रू. में)

वर्ष	**संशोधित अनुमान**	**वास्तविक व्यय**
2022-23	60.00	53.70
2023-24	95.00	71.51
2024-25	92.95	89.03

मंत्रालय द्वारा राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार बजट आवंटन नहीं किया जाता है।

(ग) से (ङ): उत्तर प्रदेश सहित देश में ग्रामीण पर्यटन की अपार संभावनाओं को स्वीकार करते हुए, पर्यटन मंत्रालय ने भारत में ग्रामीण पर्यटन के विकास के लिए एक राष्ट्रीय कार्यनीति और रोडमैप तैयार किया है, जो आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक पहल है। कार्यनीति दस्तावेज़ निम्नलिखित प्रमुख स्तंभों पर केंद्रित है:

(i) ग्रामीण पर्यटन के लिए सर्वोत्तम प्रथाएं और आदर्श नीतियां
(ii) ग्रामीण पर्यटन के लिए डिजीटल प्रौद्योगिकियां और प्लेटफार्म
(iii) ग्रामीण पर्यटन के लिए क्लस्टर्स का विकास
(iv) ग्रामीण पर्यटन के लिए विपणन सहायता
(v) हितधारकों का क्षमता निर्माण
(vi) शासन और संस्थागत ढांचा

इसके अलावा, पर्यटन मंत्रालय ने अपनी स्वदेश दर्शन योजना के तहत ग्रामीण परिपथ को थीमेटिक परिपथों में से एक के रूप में चिह्नित किया है। इस योजना के ग्रामीण परिपथ के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण **अनुबंध** में दिया गया है।

******

अनुबंध

डॉ. राजकुमार सांगवान द्वारा उत्तर प्रदेश के बागपत में ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा के संबंध में दिनांक 01.12.2025 को पूछे जाने वाले लोक सभा के लिखित प्रश्न सं. 41 के भाग (ग) से (ङ) के उत्तर में **विवरण**

देश में स्वदेश दर्शन योजना के ग्रामीण परिपथ के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण:

क्र. सं.	**राज्य/संघ राज्यक्षेत्र**	**परिपथ/ स्वीकृति वर्ष**	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृत राशि (करोड़ रू. में)**	**जारी की गई राशि (करोड़ रू. में)**
1.	बिहार	ग्रामीण परिपथ 2017-18	भितिहरवा - चंद्रहिया-तुरकौलिया का विकास	44.27	40.31
2.	केरल	ग्रामीण परिपथ 2018-19	मलनाड मालाबार क्रूज पर्यटन परियोजना का विकास	57.35	45.88
कुल				**101.62**	**86.19**

****